विषय: एक कली खिलते समय...

सुन्दर कली

एक कली खिलते समय
अनेक अनेक प्रतीक्षा खिलते हैं।
शलभों, चिड़ियों, बच्चों
अनेक अनेक सपनों दिखाते हैं।

धरती बहुत बहुत खुशी में
ज़मीन बड़ी बड़ी खुशी में
प्रकृति बहुत बड़ी खुशी में
उस कली को स्वीकार करना।

उस पौधा को मन में
एक माता को मन खिलते हैं
उस माता उसकी बेटी को
उस पत्तों में संरक्षण देना।

KERALA SCHOOL KALOLSAVAM 2017
PROGRAMME COMMITTEE

एक-एक नमीष में पौधा
पौधा को मन डर गयो है
उसको कली बडों से
उसकी में अग्रह भरा आँखों गिरना।

पौधा सब-सब डरना
उस आँखों कली को लेना
एक छोटी बच्ची नरह
पौधा उसका कली को संरक्ष करना।

उस कली है मेरी खुशी
उस कली है मेरी शान
उस कली है मेरी सुन्दर बेटी
लेकिन .... लेकिन ... ।

लेकिन कितना क्रूर है लोगें
मेरी कली ... मेरी बेटी को
उस क्रूर लोगों लोगों
मेरी बेटी को लिया है।

PROGRAMME COMMITTEE

मैं रोना बहुत बहुत रोना
लेकिन इस समूह नहीं सुना
धरती से एक स्थान में
मेरी बेटी को क्रूर से नाश करना।

मेरी कई कई प्रतीशा खोना
मेरी कई कई सपनों खोना
मेरी बहुत बड़ी शान खोना
मेरी बहुत प्यारी कली को खोना।